BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

जून 2015
अंक 6

www.bjsindia.org

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

भारतीय जैन संघटना के संघटनात्मक स्वरूप का कायाकल्प

समाज एवं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण सौपान

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से-2

इनसे मिलिये:
राष्ट्रीय महामंत्री
श्री महेश कोठारी -2

नवीन संघटनात्मक स्वरूप-3

कार्यक्रम गतिविधियां एवं समाचार-4-5

पूर्ण राष्ट्रीय स्वरूप प्राप्ति हेतु प्रयाण-6

अल्पसंख्यक सूचनाएं जानकारी एवं समाचार-7

मेट्रीमोनिअल मीट-8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से ....

प्रिय स्वजन,

मैं लगभग पिछले डेढ़ माह पड़ोसी देश नेपाल में रहा क्योंकि वहां भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में भारतीय जैन संघटना की बचाव एवं राहत टीम कार्यरत रही. यह हर्ष एवं गर्व का विषय है कि भारतीय जैन संघटना पिछले 25 से अधिक वर्षों से प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, त्सुनामी, सूखा आदि में देश एवं देशवासियों की सेवा का भागीरथ कार्य कर रहा है. यह भारतीय जैन संघटना के संस्थापक शांतिलालजी मुथ्था की ही दूर दृष्टि है कि स्थापना काल से ही यह संस्था समाज व राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अवितरूप से भागीदारी कर रही है.

समाज के सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के संचालन के अतिरिक्त प्राकृतिक आपदाओं में भारतीय जैन संघटना सदैव ही आपदा पीड़ितों के सहायतार्थ व उनके पुर्नवसन हेतु प्रयासरत रहा है. 1992 में महाराष्ट्र के लातूर में आये विनाशक भूकंप में हुई व्यापक हानि से अनाथ हुए 1200 नन्हें मुन्नों को पुणे लाकर उनके लालन पालन व शिक्षा की व्यवस्था स्वयं मुथ्थाजी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में की गयी. हमें हर्ष है कि वे सभी अब अपने पैरों पर खड़े हो गये हैं. वर्ष 2001 में कच्छ-भुज (गुजरात) में आये भुकंप से हुई तबाही में इस क्षेत्र के लगभग सभी विद्यालय भवन नष्ट हो गए, जिनका अल्प समय में पुननिर्माण राज्य सरकार के लिये संभव ही नहीं था किन्तु भारतीय जैन संघटना ने मात्र 90 दिनों की अल्प अवधि में 368 अस्थाई विद्यालयों का निर्माण कर गुजरात सरकार को सुपुर्द किये.

मित्रों, आपको बताना चाहता हूँ कि वर्ष 2006 में अंदमान निकोबार द्वीप समूह में त्सुनामी से हुई तबाही के पश्चात मात्र एक वर्ष की अवधि में 37 टापुओं पर 34 अस्पताल व 11 विद्यालय भवनों का निर्माण भारतीय जैन संघटना द्वारा करना निश्चित ही मुथ्थाजी की इस विचारधारा का परिचायक है कि राहत एवं बचाव कार्य, प्राकृतिक दुर्घटनाओं के तुरंत पश्चात जितने आवश्यक एवं महत्वपूर्ण हैं, उससे भी अधिक महत्वपूर्ण आपदा पीड़ितों के जीवन को व्यवस्थित करने हेतु कार्य करना हैं जिस हेतु भावनाओं, संवेदनाओं के साथ साथ संकल्प एवं दूरदृष्टि आवश्यक है. प्राकृतिक विपत्तियों के पश्चात अनेक नवीन सामाजिक समस्याओं का उद्भव होना भी स्वाभाविक ही है, जैसे अनाथ हुए बच्चों द्वारा मजबुरन भीख मांगना आदि. ऐसी समस्याओं के समाधान हेतु सदैव ही लक्ष्य करनेवाला भारतीय जैन संघटना, देश की सेवा करने वाला एक मात्र बिन सरकारी संस्थान है, जो हम सब हेतु गौरव का विषय है.

पड़ोसी देश नेपाल में 25 अप्रैल 2015 को विनाशक भूकंप आया जिससे व्यापक जनहानि ही नहीं हुई किन्तु इस अविकसित देश की सभी मूलभूत जन्-सुविधाएँ व्यापक रूप से नष्ट एवं ध्वस्त हो गयीं. 30 अप्रैल को भारतीय जैन संघटना की 15 सदस्यीय टीम राहत व बचाव कार्य में जुट गयी. भोजन व खाद्य सामग्री तथा दवाइयों के वितरण के अतिरिक्त घायलों हेतु मेडिकल केम्प स्थापित कर मानवीय सेवा का महायज्ञ प्रारम्भ किया गया. देश से 2 अम्बुलेंस बुलाई गयी जिसमें से एक **critical care trauma** से सुसज्ज थी, जिसका उपयोग दूर दराज पहाड़ी क्षेत्रों में घायलों के उपचार हेतु किया गया. आदरणीय मुथ्थाजी भी नेपाल पहुंचे. स्थिति आंकलन के पश्चात ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों मे सम्पूर्णरूप से नष्ट हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण की पेशकश कर नेपाल सरकार से मौखिक स्वीकृति भी प्राप्त की. भारतीय जैन संघटना ने स्वयं की विशिष्ट कार्यशैली व आपदा प्रबंधन में प्राप्त क्षमताओं के अनुरूप मात्र 100 दिनों में 100 शासकीय ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण कार्य को पूर्ण करने का निर्णय लिया, किन्तु नेपाल सरकार द्वारा इस परियोजना के सहमति पत्र में उल्लेखित शर्तें व्यवधान स्वरूप रहीं, जिन्हें किसी भी सामाजिक व बिन-व्यावसायिक संस्था के लिए पूर्ण करना संभव ही नहीं था, अतएव इस परियोजना को बंद कर देने के अतिरिक्त हमारे समक्ष कोई विकल्प नहीं रहा. मैं उन सभी महानुभवों व संस्थाओं का से आभार व्यक्त करता हूँ जो इस परियोजना के समर्थन में भारतीय जैन संघटना के साथ खड़े थे.

यह अंक भारतीय जैन संघटना के संगठनात्मक स्वरूप पर है, जिसने अपने प्रारंभिक वर्षों में देश के जैन समाज में व्याप्त समस्याओं के अध्ययन व निवारण पर लक्ष्य किया. तदुपरांत भविष्य में उद्भवित होने वाली समस्याओं से समाज व देश को समय से पहले अवगत कराने के साथ उनकी रोकथाम व निदान के कार्यक्रम लाये गए. हमारा प्रयास है कि सभी राज्यों में हम अपने ही संगठनात्मक ढांचे के माध्यम से कार्यरत हों. हमारी योजनाओं, प्राथमिकताओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी आप तक पहुँचाने का प्रयास इस अंक के माध्यम से कर रहे हैं. भारतीय जैन संघटना का अंतिम लक्ष्य समाज विकास से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में जुड़ना है व इसमे आप सभी की भागीदारी की प्रार्थना करता हूँ.

प्रफुल्ल पारख,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक मण्डल

BJS भारतीय जैन संघटना समाचार
जून 2015
अंक 6
www.bjsindia.org

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन,
अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई
सुरेश कोठारी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन, बडनेरा
वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया
संजय सिंघी, रायपुर
राजेंद्र लुंकड़, इरोड

भारतीय जैन संघटना के
संघटनात्मक स्वरूप का
कायाकल्प
समाज एवं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण सोपान

इनसे मिलिये

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेश कोठारी

गोंदिया (महाराष्ट्र) निवासी श्री महेश कोठारी का जन्म 1954 में हुआ. आपने बी. कॉम की डिग्री वर्ष 1978 में प्राप्त की. युवा काल से ही आप सामाजिक भावनाओं से ओत-प्रोत रहे व सामाजिक तथा धार्मिक गतिविधियों के अतिरिक्त शैक्षणिक विकास कार्यक्रमों से भी जुड़े.

आप सकल समाज समिति गोंदिया के मुख्य सचिव, गोंदिया Jaycee club के निदेशक, श्री समर्थ एज्युकेशन सोसायटी के संरक्षक, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, गोंदिया पुस्तक कोश व महाकौशल मूर्ति पूजक संघ के आजीवन सदस्य हैं. युवा काल से ही आपके द्वारा समाज को प्रदत्त सेवाओं के फलस्वरूप आप 'जैन प्रदीप', 'समाज गौरव', 'Best Jaycee Award', 'Outstanding Secretary' व 'Best compare' से सम्मानित हुए हैं.

आप वर्तमान में भारतीय जैन संघटना के महामंत्री पद का उत्तरदायित्व बखूबी निभाते हुए संस्था को पूर्ण राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने हेतु प्रयासरत हैं. आप भारतीय जैन संघटना के उत्तरप्रदेश राज्य के प्रभारी भी हैं व इस राज्य के प्रत्येक नगर/शहर में संस्था की स्थापना कर समाजपयोगी कार्यक्रमों के योजनाबद्ध आयोजन हेतु कार्यरत हैं. आप भारतीय जैन संघटना की सहायक संस्था फेडरेशन ऑफ जैन एज्युकेशन के ट्रस्टी सक्षमीकरण कार्यक्रम के प्रशिक्षक हैं. भारतीय जैन संघटना में प्रशासनिक व संगठनात्मक उत्तरदायित्वों के नियमित निर्वहन के अतिरिक्त युवाओं को निर्देशित करने हेतु युवती एवं युगल सक्षमीकरण कार्यशालाओं में बतौर प्रशिक्षक बहुमूल्य सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं. सामाजिक सेवा के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया में जुड़े श्री महेश कोठारी कुशल व ओजस्वी वक्ता हैं व सामाजिक समस्याओं व उनके समाधान आदि विषय पर श्रोताओं को बांधे रखने में आपको महारथ हासिल है. विभिन्न सामाजिक समस्याओं से समाजजन् को अवगत कराने हेतु आप नियमित रूप से भारत भ्रमण कर रहे हैं. श्री कोठारी पिछले 20 वर्षों से भारतीय जैन संघटना से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं. आपने गत वर्षों में देश के छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश आदि राज्यों में भारतीय जैन संघटना की स्थापना हेतु परिणामलक्षी परिश्रम किया है.

भारतीय जैन संघटना : समाज व राष्ट्र हित में संघटनात्मक स्वरूप का कायाकल्प

परिवर्तन प्रकृति का नियम है. काल व युग परिवर्तन के कारण समाज, राज्य व देश को संक्रमणकाल के दौर से गुजरना पड़ता है जिसमें विघटन की प्रक्रिया वेग पकड़ती है व समाज अपेक्षाकृत कमजोर होकर उसके उद्देश्यों से भटकता प्रतीत होता है. विभिन्न कालों में परिस्थितियों के अनुरूप समाज के स्वरूप एवं आधारों में परिवर्तन होते रहे हैं जिनमें जाति आधारित समाज की रचना मुख्य घटना के रूप में अवलोकित की जानी चाहिए. वर्तमान में देश में अनेक व विविध समाजों की संरचना विद्यमान है जिसमें धर्म और जाति आधारित समाजों का बाहुल्य है.

जैन समाज भी मुख्य रूप से धर्म व जाति आधारित समाज है. किन्तु भौगोलिकताओं के मद्देनजर व उसके अनेक पंथो तथा उपजातियों में बंटे होने के कारण अनेक विशिष्टताओं व सुसंस्कृतीय स्वामित्व के उपरांत भी एकीकृत समाज का दर्जा प्राप्त करने मे असफल रहा है, जो पुरातनकाल से ही उसकी कमजोर कड़ी रही है. इतना ही नहीं संक्रमणकालीन स्थितियों में जैन समाज में विघटन की प्रक्रिया उत्तरोत्तर तीव्र होती चली गयी, फलस्वरूप काल परिवर्तन के साथ वह अपना सामाजिक आधार ही खोता गया है. यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि जैन समाज ने सुनियोजित रूप से राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक सुदृढ़ता प्राप्त करने हेतु प्रयास ही नहीं किए. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात नागरिकों को मिले विभिन्न अधिकारों के फलस्वरूप समाज का महत्व व आवश्यक्ता जैसे विषय गौण होते चले गए व अनेक उत्तरदायित्व जो समाज द्वारा पारंपरिकरूप से संपादित होते थे, जैसे कि सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा एवं न्याय आदि ये सभी क्षेत्र सरकारी नियंत्रण में चले गए, जिससे समाज की स्थिति अधिक विकट हुई. जैन समाज भी अनेक क्षेत्रीय, धार्मिक एवं सामाजिक समस्याओं का सामना सदियों से करता आया है. साथ ही समकालीन समस्याओं के उद्भव से भी समाज प्रभावित व विघटित होता रहा है किन्तु जैन समाज में राष्ट्रीय नेतृत्व का अभाव स्वयं में एक समस्या स्वरूप ही रहा है, परिणामत: जैन समाज को राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत करने के साथ उसे आदर्श आकार देने का पथ सदियों से ही विकट रहा.

समाज में संघटन व विघटन की प्रक्रियाएं सदैव विद्यमान रहती है. संक्रमणकाल में विघटन की गति तीव्र होती है, फलस्वरूप समाज में अव्यवस्थाओं के साथ अनेक सामाजिक समस्याएं उद्भवित होती है. इन परिस्थितियों में सामाजिक संस्थाओं के संघटनात्मक ढांचे व कार्यशैली को उपयुक्त कर, समाज को सही दिशा देने के रचनात्मक प्रयास होने चाहिए. भारतीय जैन संघटना के ढांचे को सुदृढ़ बनाने की संकल्पना, समाज व देश में सामाजिक संतुलन निर्मिति का रचनात्मक प्रयास है.

इतिहास साक्षी है कि समाज में व्याप्त विसंगतियों, कुरितियों एवं समस्याओं से निज़ाद दिलाने हेतु अनेक समाज सुधारकों ने समय समय पर जन्म लिया है. 1980 के दशक से आदरणीय शांतिलालजी मुथ्था ने महाराष्ट्र मे समाज की समस्याओं का अध्ययन ही प्रारंभ नहीं किया अपितु जैन समाज के समक्ष निर्भीक प्रस्तुति के साथ-साथ निदान पर भी कार्य करना प्रारम्भ किया. वर्ष 1985 में भारतीय जैन संघटना की स्थापना कर समाज को नेतृत्व प्रदान करने के साथ विभिन्न समस्याओं से घिरे जैन समाज को छुटकारा दिलाने हेतु वे संघर्षरत रहे. प्रारम्भिक काल में संस्था का कार्य क्षेत्र महाराष्ट्र रहा. मुथ्थाजी की क्रांतिकारी सामाजिक विचारधाराओं ने उन्हें समाज सुधारक, दूरदृष्टा व परिपक्व समाजशास्त्रियों की पंक्ति में ला खड़ा किया.

समय व परिस्थितियों से समाधान न करते हुए आदरणीय मुथ्थाजी भारतीय जैन संघटना के माध्यम से जैन समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान व बदलती सामाजिक एवं पारिवारिक आवश्यक्ताओं के अनुसंधान में विभिन्न कार्यक्रमों के निर्माण व उनकी अविरत प्रस्तुति का कार्य पिछले 25 से अधिक वर्षों से करते आ रहे हैं, जो उनके दृढ़संकल्पित मनोबल का परिचायक है. साथ ही इस संस्था के संघटनात्मक ढ़ांचे को जैन समाज के हित में राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने हेतु उनके द्वारा अविरत प्रयास किए जाते रहे हैं.

वर्ष 2014 में हुए केन्द्रीय नेतृत्व परिवर्तन में संस्था की बागडोर श्री प्रफुल्ल पारख के हाथों मे आयी. उनके द्वारा राष्ट्रव्यापी परिवर्तन यात्रा के आयोजन व जैन समाज से उन्हें मिले प्रतिसाद से यह सुनिश्चित हुआ कि भारतीय जैन संघटना को सम्पूर्ण राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करना समाज हित में है. इस संबंध में गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल, आसाम व उत्तर-पूर्वी राज्यों में संस्था की विधिवत स्थापना का निर्णय लिया गया जिसके लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न राज्यों का उत्तरदायित्व प्रदान कर आवश्यक रणनीति बनाई गई.

संस्था की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में गहन विचार विमर्श व चिंतन के उपरांत, भारतीय जैन संघटना की गाँव/नगर/शहर में आवश्यक्तानुरूप शाखाओं की स्थापना से संगठनात्मक ढांचे को व्यापक व राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने का निर्णय लिया गया व जैन समाज को सामाजिक स्तर पर एक सूत्र में बांधने के साथ-साथ समाजपयोगी कार्यक्रमों को प्रत्येक परिवार तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया. विभिन्न नगरों एवं शहरों में प्रारम्भ होने वाली शाखाएं (Chapters) न्यूनतम 50 सदस्यों से प्रारम्भ की जा सकेंगी तथा एक नगर/शहर में आवश्यक्तानुरूप एक से अधिक इकाईयों का प्रावधान रखा गया है. इसी तरह छोटे छोटे स्थलों / गावों के संयुक्त चैप्टर की स्थापना का भी प्रावधान है. आजीवन सदस्यता व वार्षिक शुल्क आदि निर्धारित करने का अधिकार इकाईयों को दिया गया है. एक आदर्श (Model) ट्रस्ट डीड भी तैयार की गई है, जिसके आधार पर स्थापित की जाने वाली इकाईयों का ट्रस्ट अधिनियम या सोसायटी पंजीयन अधिनियम में पंजीयन (Registration) होगा तथा प्रशासनिक व्यवस्था व नियम निम्न होंगे.

1. स्थानीय इकाई का कार्यकाल 2 वर्ष का होगा जिसमें 11 चयनित, 2 पूर्व पदाधिकारी व 2 सहवृत (Co-opted) कुल 15 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति होगी.
2. प्रत्येक इकाई में अध्यक्ष, सचिव, सह सचिव व कोषाध्यक्ष होंगे.
3. पदाधिकारी द्विवर्षीय कार्यकाल के पश्चात आगामी कार्यकाल हेतु पद ग्रहण नहीं करेंगे.
4. पाँच स्तरीय व्यवस्थाओं में राष्ट्रीय /राज्य/क्षेत्र एवं जिला स्तरीय कार्यकारिणी समितियों के साथ प्रत्येक स्थानीय इकाई की कार्यकारिणी समिति होगी तथा सभी पदाधिकारियों के चयन हेतु किसी भी स्थानीय इकाई की सदस्यता, पात्रता स्वरूप अनिवार्य होगी.

इस नवीन व्यवस्था के तहत् सभी राज्यों के स्थानीय स्तरों पर इकाईयों के गठन की प्रक्रिया शीघ्रतिशीघ्र प्रारम्भ की जाएगी. भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रव्यापी इस नवीन संघटनात्मक ढांचे के माध्यम से एकीकृत जैन समाज की संकल्पना को साकार करने के साथ साथ समाज उत्थान एवं विकास के कार्यक्रमों को देश के प्रत्येक परिवार तक ले जाने की आदरणीय मुथ्थाजी की समाज हेतु संवेदनशील भावनाओं को मूर्तरूप प्रदान कर सकेंगे.

इसके अतिरिक्त भारतीय जैन संघटना की युवा शाखा (युथ सेल) की स्थापना समस्त देश में की जाएगी. गत एक वर्ष से प्रायोगिक तौर पर पुणे में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख के मार्गदर्शन में कार्यरत यूथ सेल ने युवा वर्ग में समाज के प्रति रूचि जागृत कर उनके सामाजिक उत्तरदयित्वों से उन्हें अवगत कराने तथा उनके समयोचित विकास की गतिविधियों को प्राथमिकता में रखकर कार्यक्रमों का निर्माण किया है. भारतीय जैन संघटना द्वारा यूथ सेल के माध्यम से युवाओं की समाज में भागीदारी सुनिश्चित करने का यह अभिनव प्रयास है.

आशा है कि देश निर्माण में जैन समाज की रचनात्मक भूमिका सुनिश्चित करने हेतु भारतीय जैन संघटना के प्रस्तावित संघटनात्मक नवीन स्वरूप से जैन समाज जुड़ेगा तभी समाज के सामाजिक आधार को हम मजबूती प्रदान कर हमारी भावी पीढ़ीयों को सुरक्षित कर सकेंगे.

भारतीय जैन संघटना कार्यक्रम, गतिविधियां एवं समाचार

1) अल्पसंख्यक लाभों पर जनजागृति अभियान को राष्ट्रव्यापी बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन

दिनांक 14 व 16 जून को क्रमश: चेन्नई (तमिलनाडू) व हुबली (कर्नाटक) में प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन हुआ. प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन का उद्देश्य प्रत्येक राज्य में प्रशिक्षकों की टीम तैयार कर भा.जै.सं. द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर चलाये जा रहे जनजागृति अभियान को व्यापक एवं गहन स्वरूप प्रदान करना है. चेन्नई में 23 प्रतिभागियों में से 10 व हुबली में से 14 प्रतिभागियों में से 11 का बतौर अल्पसंख्यक प्रशिक्षक चयन किया गया जिनके माध्यम से तमिलनाडू व कर्नाटक में अल्पसंख्यक लाभों पर जनजागृति अभियान को गति दी जाएगी. प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षक एवं राष्ट्रीय प्रभारी श्री निरंजन जुवाँ जैन ने दिया.

2) अल्पसंख्यक लाभों पर जनजागृति कार्यशालाओं का आयोजन

भा.जै.सं. अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी श्री निरंजन जुवाँ जैन ने तमिलनाडू व कर्नाटक का 10 से 20 जून तक भ्रमण कर तमिलनाडू में कुडलूर, विल्लीपुरम, चिदंबरम्, सिरकाझी, सेलम, त्रिपात्तुर एवं गुड़ीयात्तम तथा कर्नाटक में अरसीकेरे, मैसूर, हुबली, गदग, गंगवती, हॉस्पेट, बेल्लारी, हिरयुर, चित्रदुर्ग एवं टुमकुर में समाजजन् को अल्पसंख्यकता के अर्थ एवं महत्व से परिचय करवाते हुए मिलने वाले विभिन्न लाभों पर प्रकाश डाला. राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री रजनीश जैन ने 15 जून को जैन महिला जागृति संघ, नागपूर द्वारा आयोजित सभा में अल्पसंख्यक लाभ विषय पर जानकारी प्रस्तुत की. प्रशिक्षक श्री सुरेश शहा, बड़ोदा ने गुजरात के आणंद शहर व श्री कुशल बलडोटा ने बड़ोदा में 14 जून को तथा डॉ. विमल जैन ने कटंगी (मध्यप्रदेश) में 20 जून को आयोजित अल्पसंख्यक लाभ कार्यशालाओं में व्याख्यान किए.

3) कर्नाटक सरकार के सहसचिव से मिला भारतीय जैन संघटना का प्रतिनिधि मण्डल

श्री निरंजन जुवाँ जैन, राष्ट्रीय प्रभारी, अल्पसंखयक लाभ जनजागृति अभियान के नेतृत्व में भा.जै.सं. के प्रतिनिधि मंडल ने श्री अडोनी सयैद सलीम, सहसचिव, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, कर्नाटक सरकार से बैंगलोर में 20 जून, 2015 को मुलाकात की. प्रतिनिधि मंडल में बैंगलोर के सर्वश्री सज्ञनराज मेहता, सुरेश धोका, ओमप्रकाश लुणावत व अशोक जैन– दावणगिरी सम्मिलित थे. कर्नाटक के जैन समाज को अल्पसंख्यक लाभ प्राप्त करने में व्यवधानरूप मुद्दों पर चर्चा की गई जिनमें अल्पसंख्यक प्रमाणपत्रों को सरकार द्वारा जारी न करना आदि मुख्य थे. सचिव महोदय ने आश्वास्त किया कि प्रमाणपत्र जारी करने हेतु सभी जिलों के राजस्व विभाग को निर्देश जारी किया जाएगा.

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा बैंगलोर में सम्पन्न

दिनांक 20 व 21 जून को बैंगलोर मे भा.जै.सं. कर्नाटक राज्य कार्यकारिणी के सौजन्य से राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा सम्पन्न हुई. इसमें देश भर से बड़ी संख्या में कार्यकारिणी समिति सदस्यों ने भाग लिया. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विशेष आमंत्रितों डॉ. शरद दोशी-इंदौर, श्री दिनेश जैन-हॉस्पेट, श्री राजीव डोडनवार-बेलगाँव व श्री राकेश जैन- लुधियाना का परिचय सभासदों से करवाया. सभा में भा.जै.सं.कर्नाटक राज्य कार्यकारिणी समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे.

सभा की प्रस्तावित कार्यसूची अनुसार इस दो दिवसीय सभा में विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया जिनमें भा.जै.सं. को राष्ट्रव्यापी स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से देश भर में स्थानीय इकाईयों के गठन का निर्णय लिया गया व श्री रजनीश जैन को प्रभारी नियुक्त किया. स्थानीय इकाईयों के पदाधिकारियों के चयन व कार्यप्रणाली पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विस्तृत प्रकाश डाला. विभिन्न राज्यों में भा.जै.सं. की स्थापना को लेकर अब तक हुई प्रगति पर राज्य प्रभारियों सर्वश्री रजनीश जैन, महेंद्र कटारिया एवं राजेन्द्र लुकंड़ द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई. नेपाल में आये विनाशक भूकंप व भा.जै.सं. द्वारा किये गए राहत बचाव कार्य पर प्रकाश डालते हुए रा.अ. ने कहा कि 100 दिनों मे 100 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण की योजना थी किन्तु नेपाल सरकार कि अमान्य शर्तों के कारण वापस लेनी पड़ी. आपदा प्रबंधन (Disaster Response) सेल के गठन का निर्णय लिया गया तथा इस हेतु देश के प्रत्येक जिले से कुछ व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने व ग्रामीण स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की संभावनाओं पर विचार-विमर्श के पश्चात स्थाई परियोजना बनाने का निर्णय लिया गया. अप्रैल 2015 में आयोजित i-BuD व सितंबर/अक्तुबर में आयोजित होनेवाले i-BuD पर प्रकाश डाला गया. जुलाई के प्रथम सप्ताह में अमेरिका के अटलांटा शहर में आयोजित होनेवाले JAINA Convention में राष्ट्रीय अध्यक्ष के भाग लेने व वहां के अनेक शहरों में समाजजन् को संबोधित करने के विषय में सभासदों को जानकारी दी गई. अन्य विषयों में BJS Matrimonial Meet, BJS Matrimonial Portal, BJS New Website, SAP online, BJS समाचार पत्र आदि विषय पर चर्चा की गई. अगली सभा 10 व 11 अक्तुबर को चंदीगढ़ में आयोजित करने का निर्णय लिया गया. सभा के शानदार आयोजन हेतु कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री ओमप्रकाश लुणावत एवं बैंगलोर भा.जै.सं. के अध्यक्ष श्री सुरेश धोका व उनकी टीम का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया. सभा में उपस्थित राजस्थान पत्रिका- कर्नाटक के संपादक श्री चारी का बहुमान किया गया.

4) अंतर्राष्ट्रीय युवा सांस्कृतिक आदान - प्रदान कार्यक्रम आयोजित हुआ

वैश्विक स्तर पर समाज सदस्यों के मध्य सामाजिक व सांस्कृतिक संबधों के विकास हेतु भा.जै.सं. द्वारा समय–समय पर पहल की जाती रही है. अमेरिका स्थित जैन संगठन JAINA व भा.जै.सं. तथा JITO Ahmedabad Chapter के संयुक्त आयोजन में युवाओं की 12 सदस्यीय टीम JAINAConvention में भाग लेने हेतु 21 जून, 2015 को 3 सप्ताह के प्रवास पर अमेरिका रवाना हुई. युवाओं की इस टीम में अहमदाबाद के 7, मैसूर, विजयवाड़ा,नाशिक, औरंगाबाद एवं जोधपुर प्रत्येक से 1 युवा शामिल है. JAINA Convention में उपस्थित रहने के अतिरिक्त ये युवा विभिन्न शहरों का भ्रमण करेंगे तथा वहाँ के परिवारों के साथ रहकर, उनकी जीवनचर्या व सामाजिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेंगे. इसके अतिरिक्त Washington DC में भारतीय दुतावास तथा Newyork व Stanford विश्वविद्यालयों तथा गुगल एवं फेसबुक मुख्यालयों का भ्रमण भी करेंगे.

भा.जै.सं. के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख JAINA Convention में उपस्थित रहने हेतु 29 जून को अमेरिका रवाना हूए. वे इस युवा टीम को आवश्यक नेतृत्व भी प्रदान करेंगे.

5) परिचय सम्मेलन का आयोजन

पुनर्विवाह के इच्छुक प्रत्याशियों हेतु 31 मई को पुणे के महावीर प्रतिष्टान में परिचय सम्मेलन का आयोजन क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री श्रीपाल ललवानी एवं पुणे टीम द्वारा किया गया, जिसमें 35 युवतियों व 69 युवकों ने भाग लिया. कार्यक्रम का संचालन व प्रत्याशियों से साक्षात्कार राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री रजनीश जैन, नागपुर ने किया.

31 मई को भा.जै.सं. बेल्लारी (कर्नाटक) द्वारा पुनर्विवाह के इच्छुक प्रत्याशियों हेतु परिचय सम्मेलन का आयोजन बेल्लारी में किया गया, जिसमें 35 युवतियों एवं 91 युवकों ने भाग लिया. कार्यक्रम का संचालन व प्रत्याशियों से साक्षात्कार रा.अ. श्री. प्रफुल्ल पारख ने किया. श्री इन्द्रकुमार बाफना, कांतिलाल पारेख व रमेश बागरेचा तथा भा.जै.सं. बेल्लारी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अथक परिश्रम किया.

6) युवती सक्षमीकरण पर परिचयसत्र का आयोजन

भा.जै.सं. सेलम द्वारा युवती सक्षमीकरण के परिचय सत्र का अयोजन सेलम में दि. 6 जून को हुआ. विभिन्न कॉलेज व विद्यालयों के 650 से अधिक प्रधानाचार्यो, व्याख्याताओं व शिक्षकों ने भाग लिया. भा.जै.सं. के राष्ट्रीय मंत्री श्री राजेन्द्र लुकंड़ ने 21वीं शताब्दी की चुनौतियों का सफलता से सामना करने हेतु देश की युवतियों को सक्षम करने की आवश्यक्ता एवं महत्व पर प्रकाश डाला. भा.जै.सं. सेलम के अध्यक्ष महेंन्द्र रांका व मंत्री ललित बोकड़िया व टीम को शानदार आयोजन पर अभिनन्दन !

7) केरियर गाईडेंस कार्यशाला का आयोजन

21 जून, 2015 को गुजरात के जामनगर शहर में केरियर गाईडेंस कार्यशाला का आयोजन हुआ. केरियर मार्गदर्शक डॉ. नरेंद्र भुसारी, नागपुर ने 3.30 घंटों के मेराथन कार्यक्रम में जामनगर के 1200 विद्यार्थी, 600 अभिभावक व 150 विशेष आमंत्रितों के समक्ष केरियर विकल्पों व विविध प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें विषय पर बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया. कार्यशाला का आयोजन ओसवाल सेंटर, जामनगर में हुआ. सभी का स्वागत श्री उमेश कुंडालिया व डॉ. भुसारी का परिचय श्री शरद सेठ, जामनगर ने दिया. 21 जून को ही प्रात: राजकोट के आत्मीय संकुल में डॉ. भुसारी ने 400 से अधिक विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया.

8) इंदौर में युवा शिविर का आयोजन

भा.जै.सं. इंदौर द्वारा युवा शिविर, हिंकारगिरी, इंदौर में 5 से 7 जून को आयोजित किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र के 60 युवक–युवतियों ने भाग लिया. शिविर के प्रथम दिवस मैनेंजमेंट गुरू श्री राकेश जैन ने प्रथम सत्र defreezing/ icebreaking पर लिया. C.A.पंकज कोठारी ने खेलों व Exercises के माध्यम से "यदि आप कुछ अलग सोचते हैं " तो नेतृत्व करने व दुनिया को बदलने की क्षमता प्राप्त करने के मंत्र दिए. कॅप्टन बी.जे.सिंह ने प्रतिभागियों को छोटे समूहों में बांटकर संवाद कौशल्य सुधारने के पाठ पढ़ाये. विक्रम अग्निहोत्री इन प्रतिभागियों हेतु सर्वश्रेष्ट प्रेरक साबित हुए क्योंकि उनके दोनों हाथ नहीं होने के बावजूद भी उन्होंने सब कुछ करके बतलाया व संदेश दिया कि वे सब कुछ क्यों नहीं कर सकते जिन्हे ईश्वर ने दोनों हाथ दिये हैं. संदीप महेश्वरी की दस्तावेज़ी फिल्म "संकल्प है तो सब कुछ आसान है " दिखाई गई. दूसरे दिन योगा सत्र श्री अजमेरा ने लिया. अच्छे वक्ता बनने के गुर श्री वीरेंद्र जैन ने सिखाये. श्री राकेश जैन ने बॉलीवुड से सफलता के मंत्र पर शिक्षण के साथ मनोरंजन भी किया. उन्होंने बड़े स्वप्न देखो, दूर दृष्टि, लक्ष्य निर्धारण एवं सकारात्मक विचारधारा पर महत्वपूर्ण संदेश दिए. तीसरे दिन प्रतिभागियों को ट्रेकिंग व पर्वतारोहण हेतु ले जाया गया. ट्रेझर–हंट में प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया. प्रतिभागियों के अभिभावकों हेतु भी श्रेष्ठ परवरिश विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के संयोजक श्री दिलीप दोशी, इंदौर व भा. जै.सं. इंदौर की अध्यक्षा श्रीमती हेमलता अजमेरा व टीम ने शिविर को सफल बनाने हेतु अथक परिश्रम किया.

9) कर्नाटक राज्य में व्यापार वृद्धि एवं विकास कार्यशालाओं का आयोजन

भारतीय जैन संघटना मध्यप्रदेश के राजाध्यक्ष एवं मैनेजमेंट गुरू श्री राकेश जैन, इंदौर की व्यापार एवं विकास विषय पर कार्यशालाओं का कर्नाटक राज्य के 4 नगरों अरसीकेरे, रानीबैन्नुर, सिंधनुर एवं कोपल में दिनांक 22 व 23 जून को आयोजन हुआ. सभी स्थलों पर 250 से अधिक व्यापारियों, उद्यमियों एवं युवाओं ने बदलते सामाजिक आर्थिक परिवेश व वैश्विकरण के चलते उनके समक्ष खड़ी हो रही नित नई चुनौतियों का सामना करने व व्यावसायिक संचालन की विचारधाराओं में परिवर्तन लाने हेतु श्री राकेश जैन द्वार प्रस्तुत सारगर्भित सलाह सूचनों से मार्गदर्शन प्राप्त किया. श्री राकेश मेहता –अरसीकेरे, अरविंद एम. जैन–रानीबैन्रुर, श्री जी. विनोद बंब –सिंधनुर एवं श्री प्रवीण मेहता –कोपल तथा भा.जै.सं. की स्थानीय इकाईयों ने आयोजन को सफल बनाया.

10) युवती एवं युगल सक्षमीकरण कार्यशालाओं का आयोजन

युवती सक्षमीकरण कार्यशालाएं इचलकरंजी, धौलपुर, मेरठ, सूरत, बड़ोदा, नलदुर्ग एवं नांदेड़ में जून माह में आयोजित हुई जिसमें प्रशिक्षक अंजना जैन, डॉ. भारती सागर, संजय भस्मे, रत्नाकर महाजन, श्रीमती भारती चंगेडीया ने प्रशिक्षण प्रदान किया.

युगल सक्षमीकरण कार्यशालाओं का जून माह में नासिक व कुंबकोनम् (त.नाडू) में आयोजन हुआ जिसमें संजय सिंघी व शानम जैन व श्रीमती संतोष पारख ने प्रशिक्षण प्रदान किया.

भारतीय जैन संघटना : पूर्ण राष्ट्रीय स्वरूप प्राप्ति हेतु प्रयाण

श्री प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का उत्तरदायित्व ग्रहण करने के तुरंत पश्चात देश के 20 राज्यों, 118 नगरों / शहरों में 163 सभाओं के माध्यम से परिवर्तन यात्रा के तहत व्यापक जनसम्पर्क किया गया. जैन समाज में व्याप्त सामाजिक परिस्थितियों के अध्ययन व सर्वेक्षण के साथ, स्थानीय सामाजिक नेतृत्वकारों से गहन विचार-विमर्श आदि के बाद, समाज हित में भारतीय जैन संघटना के आकार को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने की आवश्यक्ता महसूस की गई. देश के कुछ क्षेत्रो व राज्यों में जैन समाज को सुदृढ़ता प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय जैन संघटना की स्थापना कर सुनियोजित तरीकों से विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों व गतिविधियों के आयोजन का निर्णय लिया गया. इस हेतु विस्तृत व लक्ष्य आधारित कार्ययोजनाओं का निर्माण कर राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विशेष उत्तरदायित्व प्रदान किए गए.

उत्तर-पूर्वी राज्य

जैन समाज के सामाजिक भौगोलिक मानचित्र में उत्तर-पूर्वी राज्यों का उदय जैन समाज को राष्ट्रीय स्तर पर एक सूत्र में बांधने हेतु नितांत आवश्यक है. गहन चिंतन के पश्चात भारतीय जैन संघटना के कार्यक्षेत्र को इन राज्यों तक विस्तृत करने के निर्णय के साथ, कार्यकारिणी समिति सदस्य सर्वश्री रजनीश जैन एवं महेंद्र कटारिया, नागपूर को देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों का प्रभारी नियुक्त किया गया. गत कुछ एक माह में दोनों प्रभारियों ने इन राज्यों का अनेक बार भ्रमण किया. गोहाटी के अतिरिक्त तिनसुखिया, जोरहाट, डिब्रुगढ़, दीमापुर, सिलीगुड़ी एवं कोलकत्ता में सभाओं का आयोजन कर आसाम, मणिपुर, नागालेण्ड एवं पश्चिमी बंगाल के जैन समाज को मुख्य प्रवाह से जुड़ने हेतु प्रार्थना की गई. जनवरी 2015 में गोहाटी में युवती सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें औरंगाबाद की मनीषा भंसाली ने 50 युवतियों को 21 वीं शताब्दी की चुनौतियों का सामना करने हेतु सशक्त किया. 20 मई 2015 को गोहाटी, सिलीगुड़ी व कोलकत्ता में श्री रजनीश जैन ने जैन समाज को अल्पसंख्यकता के लाभ व वैवाहिक रिश्तें तय करने की नवीन प्रणाली पर व्याखान दिये, जिसमें श्री महेंद्र कटारिया, मनोज सेठिया एवं प्रदीप संचेती उपस्थित रहे. श्री रजनीश जैन ने बतलाया कि परिवर्तन यात्रा की पूर्व तैयारियों हेतु कोलकत्ता, भुवनेश्वर, कटक, पटना, रांची आदि का भ्रमण कर यात्रा की सफलता हेतु योग्य वातावरण का निर्माण किया. परिवर्तन यात्रा के दौरान भी इन शहरों में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ रहा. सुदूर उत्तर-पूर्वी राज्यों मे आदरणीय मुथ्थाजी ने पूर्व में दौरा किया था व उनके क्रांतिकारी सामाजिक विचारों से वहां का जैन समाज प्रभावित है. श्री महेंद्र कटारिया ने बतलाया कि इन सभी राज्यों मे भारतीय जैन संघटना की स्थापना से यहाँ के जैन समाज को योग्य दिशा

देना संभव हो सकेगा. निरंतर संपर्क व भ्रमण से यह कार्य आसान हो जाएगा. कोलकता में भारतीय जैन संघटना की स्थापना का कार्यक्रम 9 अगस्त 2015 को होने जा रहा है, जिसमें पदाधिकारियों की नियुक्ति व उनकी शपथविधी आदि संपन्न होंगे. गौहाटी में टीम का पुर्नगठन प्रस्तावित है जिससे आसाम ही नहीं अपितु समस्त उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारतीय जैन संघटना की स्थापना का कार्य सरल हो जाएगा.

पंजाब

इस राज्य में जैन समाज लगभग सभी नगरों /शहरों में बसा हुआ है किन्तु सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंधो के स्तर पर देश के अन्य राज्यों के जैन समाज से कटा हुआ ही रहा है. बदलते परिवेश तथा समाज की बदल रही आवश्यक्ताओं के अनुसंधान में पंजाब का जैन समाज उत्तरदायित्वों के निर्वहन में उतना सजग नहीं है व पारंपारिक गतिविधियों तथा धार्मिक कार्यक्रमों से ही संतुष्ट है. पंजाब के जैन समाज को सामाजिक स्तर पर जागृत करने व जैन परिवारों को सशक्त करने के प्रयासों के निर्णय के साथ लुधियाना के श्री राकेश जैन व रा. का. स. श्री नंदकिशोर सांखला को भारतीय जैन संघटना की पंजाब में स्थापना करने का उत्तरदायित्व प्रदान किया गया. श्री राकेश जैन ने बतलाया कि अगस्त 15 में युवती एवं युगल सशक्तिकरण व परिचय सम्मेलन (matrimonial Meet) जैसे कार्यक्रमों के आयोजन

हेतु मंच तैयार किया जा चुका है. पंजाब के जैन समाज में सामाजिक गतिविधियों हेतु योग्य स्थान बनाने के उद्देश्य से भारतीय जैन संघटना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की आगामी सभा 10 व 11 अक्तूबर को चंडीगढ़ में श्री राकेश जैन व श्री मोहिंदर पाल जैन की आगेवानी में आयोजित करने का निर्णय लिया गया. श्री राकेश जैन ने बतलाया कि आगामी 6 माह में भारतीय जैन संघटना की शाखाओं का पंजाब के अनेक नगरों में विधिवत प्रारम्भ करने हेतु रचनात्मक प्रयास किए जाएंगे.

गुजरात

गुजरात में वर्ष 2007 से ही भारतीय जैन संघटना अपनी उपस्थिति उसके कार्यक्रमों के माध्यम से दर्ज़ करवाता रहा है. राष्ट्रीय अध्यक्ष की 2014 में आयोजित परिवर्तन यात्रा ने गुजरात के जैन समाज में परिवर्तन की नई लहर का संचार किया, फलस्वरूप भारतीय जैन संघटना की राज्य कार्यकारिणी समिति के चिर-प्रतिक्षित गठन का कार्य पूर्ण होने के साथ गुजरात के प्रत्येक जिले के पदाधिकारियों की नियुक्तियां भी की गई. अब यह राज्य जैन समाज को बदले सामाजिक परिवेश में नवीन एवं सुदृढ़ सामाजिक आधार देने हेतु संकल्पबद्ध प्रतीत होता है.

भारतीय जैन संघटना के संघटनात्मक स्वरूप को राष्ट्रव्यापी बनाने के उद्देश्य से गुजरात में राज्य प्रभारी के रूप में मंत्री श्री राजेंद्र लुकंड की नियुक्ति की गई. श्री सुरेश कोठारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना के अनुभवी एवं कुशल नेतृत्व में सुश्री मालतीबेन मेहता की राज्याध्यक्ष पद पर नियुक्ति के साथ सम्पूर्ण गुजरात के प्रत्येक जैन परिवार में समाज हित के कार्यक्रमों को पहुँचाने हेतु कार्ययोजना का निर्माण किया गया. 3 मई 2015 को राजकोट में राज्य कार्यकारिणी समिति की प्रथम सभा में ये तीनों महानुभव उपस्थित ही नहीं रहे अपितु उपस्थित सभासदों को योग्य मार्गदर्शन देकर उत्प्रेरित किया. यह हर्ष का विषय है कि गत दो माह में विभिन्न कार्यक्रमों का श्रृंखलाबद्ध आयोजन हुआ है, जिसमें व्यापार विकास कार्यक्रम (**i-Bud**) युगल एवं युवती सक्षमीकरण , अल्पसंख्यक लाभ कार्यशाला तथा केरियर गाइडेंस कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है. प्रभारी श्री राजेंद्र लुकंड ने बतलाया कि नई कार्ययोजना के तहत भारतीय जैन संघटना की स्थानीय इकाइयों का प्रत्येक गाँव, नगर तथा शहर में गठन करना है, जिसे सम्पूर्ण गुजरात में वर्ष 2016 के अंत पूर्ण किया जाएगा.

> मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख को गौहाटी में परिवर्तन यात्रा के दौरान सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. मैं उनसे प्रभावित ही नहीं हुआ अपितु परिवर्तनशील समय मे, हमारे परिवार के प्रत्येक सदस्य की समय के मांग के अनुरूप बदली हुई आवश्यक्ताओं को पहली बार समझने का अवसर मिला. भारतीय जैन संघटना की नवंबर 2014 में नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा में सम्मिलित होने का निमंत्रण प्राप्त हुआ. मुझे अत्यंत ही हर्ष है कि अब में देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों के जैन समाज को योग्य दिशा देने के अभियान में भारतीय जैन संघटना का हिस्सा हूँ.
>
> **मनोज सेठिया ,**
> गौहाटी,
> सदस्य भा.जै.सं.
> राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

राजस्थान

यह देश का बड़ा महत्वपूर्ण राज्य है जिसमें जैन समाज बड़ी जनसंख्या के साथ यहां रहता है. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख आयोजित परिवर्तन यात्रा में यह वास्तविकता सामने आयी कि आर्थिक प्रगति व समृद्धता के उपरांत भी राजस्थान का जैन समाज बदले हुए सामाजिक परिवेश से अनभिज्ञ ही नहीं है अपितु पारंपारिक वैचारिकी से ग्रासित भी है जो इस राज्य के जैन समाज की प्रगति में बाधक है. राजस्थान हेतु विशेष कार्य योजना का निर्माण किया गया व युवा उत्साही एवं अनुभवी मंत्री श्री राजेंद्र लुकंड को राजस्थान का प्रभारी नियुक्त किया गया. श्री लुकंड ने बतलाया कि राजस्थान जैन समाज की परिस्थितियां अन्य राज्यों से भिन्न है क्योंकि यहां का जैन समाज बिन-एकीकृत होने के साथ बिखरा हुआ भी है. यहां सामाजिक विचारधारा का सामान्यत: अभाव होने के साथ समय की मांग के अनुरूनप कदम से कदम मिलाकर चलने हेतु उदासीनता व्याप्त है, फलस्वरूप यहाँ सामाजिक गतिविधियों हेतु स्थान ही नहीं है. श्री लुकंड़ को इन परिस्थितियों के उपरांत भी विश्वास है कि आगामी 6 माह में राज्यपदाधिकारियों के चयन एवं नियुक्ति के साथ कम से कम 20 नगरों/शहरों में भारतीय जैन संघटना की स्थानीय इकाइयों के गठन कार्य पूर्ण होगा. राजस्थान श्री पंकज भंडारी, जोधपुर सदस्य भा.जै.सं.राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति, इस अभियान को सफल बनाने हेतु संकल्पित है.

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय ढांचे को सम्पूर्ण आकार देने हेतु किए जा रहे प्रयासों का यह शुभारंभ है. देश स्थित जैन समाज के प्रत्येक परिवार चाहे वह ग्रामीण हो या शहरी, भा. जै. स. उसके कार्यक्रमों के साथ उन तक पहुँचने हेतु संकल्पित है.

अल्पसंख्यक सूचनाएँ, गतिविधियाँ एवं समाचार

अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र अब आवश्यक नहीं

राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा जैन समाज को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र जारी नहीं किए जाने की शिकायतों के संदर्भ में अल्प संख्यक मंत्रालय, भारत सरकार ने सभी राज्य व केन्द्र शासित प्रदेशों को सूचित किया है कि अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान एवं विकास हेतु केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत अब लाभ लेने या आवेदन करने हेतु अन्य आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र की आवश्यक्ता नहीं होगी. विद्यार्थियों के अतिरिक्त अल्पसंख्यक समुदाय के पुरुष व महिलाएं भी अब बिना प्रमाणपत्र लाभ प्राप्त कर सकेंगे.

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फॅलोशीप हेतु आवेदन की समय सीमा एक महीना बढ़ी

अल्पसंख्यक समुदाय के अनुसंधानकर्ता जिनका **M.Phil** या **Ph.D** में पंजीयन (**Registration**) हुआ है व जो नियमित व पूर्ण समय के आधार पर अनुसंधानरत हैं, अब फॅलोशिप हेतु **31** जुलाई, **2015** तक आवेदन कर सकेंगे। जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय रू. **2.5** लाख से अधिक न हो तथा जिन्हें विश्वविद्यालय से किसी भी प्रकार का अनुदान प्राप्त न हो रहा हो, ऐसे सभी प्रत्याशी **http://www.minorityaffairs.gov.in/maulana-azad-fellow** से योजना का विवरण प्राप्त करें. ऑनलाईन आवेदन हेतु **http://www.ugc.ac.in/manf** पर लॉग ऑन कर करें.

ज्ञातव्य रहे कि आवेदन की पूर्व अंतिम तिथी **30** जून थी जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (**UGC**) ने बढ़ाकर **31** जुलाई, **2015** की है. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

–ऑन लाईन आवेदन– दस्तावेज़ व आवेदन पत्र जमा करने की प्रक्रिया मे परिवर्तन

प्री–मेट्रिक (कक्षा **9** व **10**) पोस्ट–मेट्रिक व मेरिट–कम–मीन्स छात्रवृत्तियों हेतु अब आवेदन **National portal 'www.scholarships.gov.in'** पर लॉग ऑन कर ऑनलाईन करने होंगे.

गत वर्ष तक ऑन लाईन आवेदन करने के पश्चात आवेदन पत्र की **Hardcopy** सभी मांगे गए दस्तावेज़ों के साथ विद्यार्थी को उसके शिक्षण संस्थान मे आगे की कार्यवाही हेतु जमा करानी होती थी. किन्तु अब सम्पूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाईन किया गया है व मांगे गए निम्न दस्तावेज़ भी आवेदन के साथ ऑन लाईन ही **Attach** करने हैं.

1. शिक्षण संस्थान का सत्यापन (**Institution Verification form**)
2. आय प्रमाणपत्र–सरकारी सक्षम अधिकारी द्वारा जारी
3. विद्यार्थी द्वारा स्वघोषणा
4. धर्म का प्रमाणपत्र
5. – नवीन आवेदन (**Fresh Application**) पिछले उत्तीर्ण बोर्ड परीक्षा की स्वयं सत्यापित मार्क शीट
   – नवीनीकरण आवेदन (**Renewal Application**) पिछली उत्तीर्ण की गई परीक्षा की स्वयं सत्यापित मार्क शीट
6. शुल्क रसीद
7. पासपोर्ट साईज़ फोटोग्राफ
8. विद्यार्थी के बैंक एकाउंट का प्रमाण
9. आधार कार्ड़ (यदि हो तो)
10. स्थायी पते का प्रमाण

आवेदन करने की प्रक्रिया मे **Details** भरते समय **Institution verification form down load** का **option** दिखलाई देगा जिसकी प्रिंट लेकर विद्यालय/कॉलेज के प्रधानाचार्य से भरवाकर **scanned** कॉपी मांगे गये अन्य दस्तावेज़ों के साथ (**all scanned**) **attach/upload** करनी है. ध्यान रहे कि ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया एक बार में पूर्ण नहीं होगी अत: आवेदन में जितना भी **data** भरें उसे **save** करें. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

क्या आप ऑनलाईन आवेदन करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं?

विद्यार्थियों हेतु प्रधानमंत्री के **15** सूत्री कार्यक्रम के तहत् विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में अधिकांशत: ऑनलाईन आवेदन करने का प्रावधान है. यह पाया गया कि ऑनलाईन आवेदन करने में विद्यार्थी अनेक कठिनाइयों का सामना करते हैं, जैसे कि उनके शिक्षण संस्थान जिसमें वे अध्ययनरत हैं या उनके कोर्स का सूची मे नाम ही नहीं होता, जिससे आवेदन की प्रक्रिया वहीं पर अटक जाती है व विद्यार्थी को समझ में नहीं आता कि वह क्या करे ?

विद्यार्थियों को सलाह है कि ऐसी परिस्थिति में सरकार द्वारा उनके राज्य में नियुक्त नोडल ऑफिसर को सम्पर्क कर आ रही कठिनाईयों से उन्हें अवगत कराएं. आपके राज्य के नोडल ऑफिसर का नाम, टेलीफोन नंबर व अन्य विवरण अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाईट **'www.scholarships.gov.in'** के **Home page** पर **link** उपलब्ध है. आप हमसे भी सम्पर्क कर यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

प्रिय आत्मजन्,

आपको विदित ही है कि भारतीय जैन संघटना अल्पसंख्यक लाभों पर राष्ट्रव्यापी जनजागृति अभियान का संचालन कर रहा है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक लाभों व उन्हें प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी आदि जैन समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचाना है। हमारे प्रयासों को सफल बनाने हेतु अभियान से जुड़े **40** से अधिक प्रशिक्षकों के अतिरिक्त प्रत्येक राज्य मे नए प्रशिक्षक तैयार करने का कार्य किया जा रहा है ताकि अल्पसंख्यक लाभों पर भारतीय जैन संघटना द्वारा चलाये जा रहे जनजागृति अभियान को गहन व व्यापक स्वरुप प्रदान किया जा सके।

यदि आपके नगर/शहर में अभी तक अल्पसंख्यक लाभों पर कार्यशाला का आयोजन नहीं हुआ है व समाजजन् अब भी इस विषय में अनभिज्ञ हैं, तो आपसे प्रार्थना है कि आपके यहां कार्यशाला आयोजन हेतु हमसे सम्पर्क करें. हम भारतीय जैन संघटना के प्रशिक्षित प्रशिक्षक को जानकारी प्रदान करने हेतु नियुक्त करेंगे.

हम इस वास्तविकता से भी अवगत हैं कि जैन समुदाय विभिन्न राज्यों में अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र प्राप्त करने से लेकर योजनाओं के तहत् विभिन्न लाभ लेने में अनेक कठिनाईयों का सामना कर रहा है। आपसे प्रार्थना है कि आपकी कठिनाईयों व अनुभवों की जानकारी हमें ईमेल **'helpminority@bjsindia.org'** पर या टेलीफोन **020 41280011, 12, 13** पर दें ताकि राज्य व केंद्र सरकार से बातचीत कर आपकी समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास किए जा सकें।

मित्रों, आपसे भा. जै. सं. की **WhatsApp Minority Benefits update service** से जुड़ने हेतु भी प्रार्थना करता हूं। हमारे मोबाईल **9158887019** पर आपका नाम, मो. नं., गाँव व राज्य का नाम **SMS** या हमारी हेल्प डेस्क **'helpminority@bjsindia.org'** पर ईमेल करें। हम आपको अल्पसंख्यक लाभों व नियमों से संबन्धित नवीनतम् जानकारी देने हेतु दृढसंकल्पित रहेंगे।

निरंजन जुवाँ जैन
राष्ट्रीय प्रभारी
भा.जै.सं. अल्पसंख्यक लाभ जागृति अभियान

ऑनलाईन आवेदन हेतु कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएं एवं सुझाव

प्री–मेट्रिक (कक्षा **9** व **10**), पोस्ट–मेट्रिक व मेरिट–कम–मीन्स स्कोलरशीप में जैन समुदाय के विद्यार्थी छात्रवृत्ति हेतु **'www.scholarships.gov.in'** पर आवेदन करें. नवीन (**fresh**) आवेदन हेतु वेबसाईट के **home page** पर **'student login'** कर **'register'** को **click** करना है. तत्पश्चात **system** स्वयं ही सूचना देगा कि आवेदन की प्रक्रिया कैसे पूर्ण करनी है. विभिन्न पाँच विभाग (**1**) **PERSONAL DETAILS** (**2**) **ACADEMIC DETAILS** (**3**) **SCHEME DETAILS** (**4**) **BANK DETAILS** (**5**) **CONTACT DETAILS** क्रमवार भरने हैं. नवीनीकरण (**renewal**) आवेदन करने हेतु **option Student Login → Register → select 'domicile state' → select 'renewal'** के पश्चात बैंक एकाउंट नंबर जो गत वर्ष लिखा था इस बार भी वही **enter** करने व जन्म तिथी डालने पर आगे की प्रक्रिया नवीन (**fresh**) आवेदन के समान ही होगी. विद्यार्थी द्वारा भरी गई सूचनाएं **finally 'SUBMIT'** करने से पूर्व तक की स्थिति में फैरबदल संभव हो सकेगा. इस हेतु **'STUDENT LOGIN' option** पर **enter** कर **Permanent ID** डालने पर **"LOGIN' Button click** कर सकेंगे. **PERSONAL DETAILS** के अतिरिक्त अन्य सभी **4** विभाग में फैरबदल कर सकेंगे. एक बार **'CONFIRM AND SUBMIT' button** पर **click** करने के पश्चात फैरबदल नहीं हो सकेगा. यह आवश्यक नहीं कि विद्यार्थी एक ही प्रयास में आवेदन करे. यह प्रावधान दिया गया है कि वह आधे भरे आवेदन पत्र को **save** कर सके व संतुष्ट होने पर ही **'CONFIRM & SUBMIT' click** करे. **Permanent ID** विद्यार्थी को **Email** या **SMS** से प्राप्त होगा जिसका प्रयोग भविष्य में आवेदन की स्थिति जानने व अगले वर्ष नवीनीकरण (**Renewal**) आवेदन हेतु आवश्यक होगा. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

प्री–मेट्रीक छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथी एक माह से बढ़ी

प्री–मेट्रीक छात्रवृत्ति मे आवेदन करने हेतु पूर्व अंतिम तिथी **31** जुलाई **2015** थी जिसे अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार ने उनके परिपत्र नं: **12-1/2015- SS** दिनांक **9** जुलाई, **2015** द्वारा बढ़ाकर **31** अगस्त **2015** किया है.

अल्पसंख्यक लाभों, योजनाओं की जानकारी, आवेदन के तरीकों, आपके प्रश्नों के समाधान पाने व पुस्तकें प्राप्त करने हेतु हमसे सम्पर्क करें

भारतीय जैन संघटना
at
helpminority@bjsindia.org
020-4120 0600, 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013

BJS Matrimonial Meet
वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवीन अवधारणा

भारतीय जैन संघटना गत तीन दशकों से वैवाहिकी विषय पर कार्यरत रहा है. समाज में वैवाहिक रिश्ते तय करने की स्थितियों में आ रहे बदलावों से उत्पन्न समस्याओं के निदान स्वरूप भा.जै.सं. की परिचय सम्मेलनों की अवधारणा अस्तित्व में आयी, जिसमें भी समय समय पर आवश्यक्तानुरूप बदलाव लाने हेतु परिणामलक्षी प्रयास होते रहे हैं.

बदलतें समय के साथ, युवा वर्ग की भावी जीवनसाथी हेतु वैचारिकी व अभिभावकों की अपेक्षाओं के संदर्भ में भा.जै.सं. वर्गीकृत आधार जैसे ग्रामीण, शहरी, शिक्षित, उच्चशिक्षित, एन.आर.आय., पुनर्विवाह आदि प्रत्याशियों हेतु परिचय सम्मेलनों का आयोजन करता आ रहा है.

अगस्त,2015 में हम एक सम्पूर्ण नई अवधारणा **"Matrimonial Get -to-gather"** की प्रस्तुति करने जा रहे हैं. यह नवीन अवधारणा नवबंर, 2014 में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में भा.जै.सं. के संस्थापक शांतीलालजी मुथ्था द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव पर आधारित है. उनका सुझाव है कि बदली हुई परिस्थितियों में परिवारजन् ने जीवनसाथी के चयन की प्रक्रिया में पहल करने की अनुमति युवाओं को देनी चाहिए.

22 अगस्त, 2015 को पुणे में आयोजित होने वाले इस **"Matrimonial Get -to-gather"** में मात्र प्रत्याशियों को ही प्रवेश दिया जाऐगा और वे अन्य प्रत्याशियों से विचार–विमर्श कर उन्हें समझने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे. प्रत्याशियों की रूचि, प्रेरणाए, व्यवहार, व्यक्तित्व आदि को उजागर करने का प्रयास कुछ विशिष्ट गतिविधियों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे प्रत्याशी को स्वयं के स्वभाव व पसंद के अनुरूप भावी जीवनसाथी के चयन हेतु सहजता प्राप्त होगी.

Book-Post

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
Ground Floor, Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel.: 020 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org
Facebook : www.facebook.com/BJSIndia